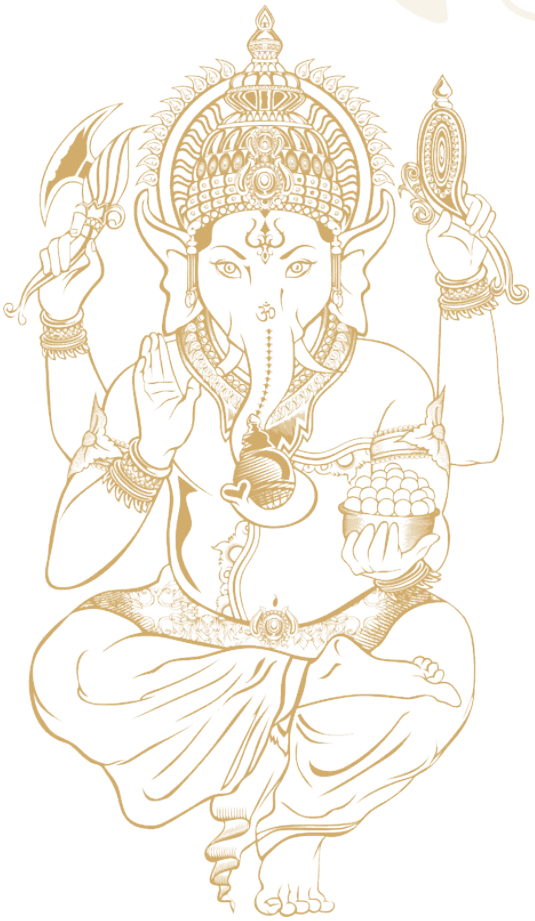

Jay

02 Oct 2025

01:20 AM

Kota

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 120917802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/10/2025**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:20:00 घंटे**
इष्ट	47:34:01 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:53:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:20 घंटे
साम्पातिक काल	01:37:03 घंटे
सूर्योदय	06:18:23 घंटे
सूर्यास्त	18:12:47 घंटे
दिनमान	11:54:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:40:27 कन्या
लग्न के अंश	07:31:40 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:31:40	312:19:10	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			कन्या	14:40:27	00:59:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			मक	05:46:14	12:48:32	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	12:12:36	00:40:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कन्या	28:16:34	01:34:32	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			मिथु	28:20:44	00:07:12	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	20:52:13	01:13:54	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	03:28:41	00:04:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	23:57:56	00:01:24	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	23:57:56	00:01:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:58:30	00:01:15	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	06:18:40	00:01:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:11:06	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मेष	01:56:47	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित

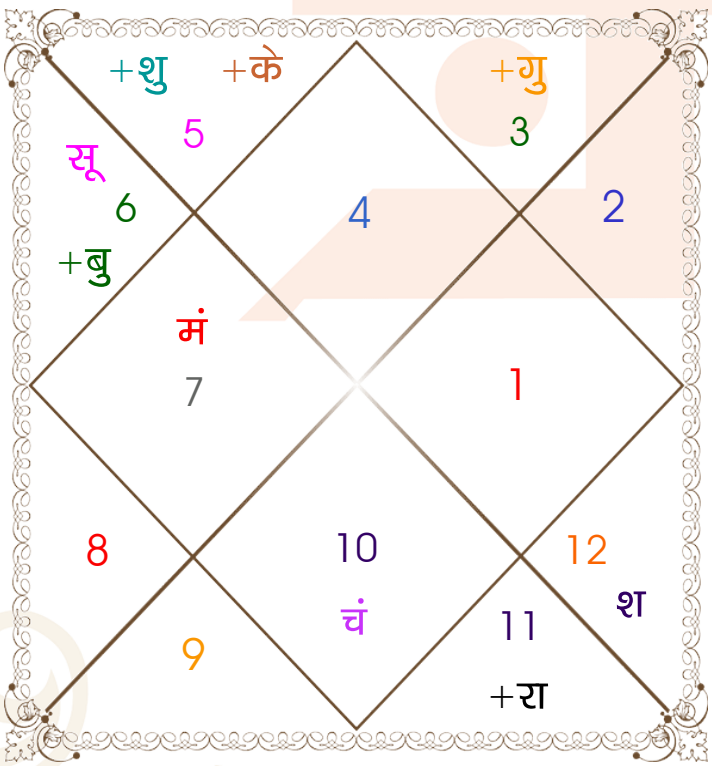

चन्द्र कुंडली

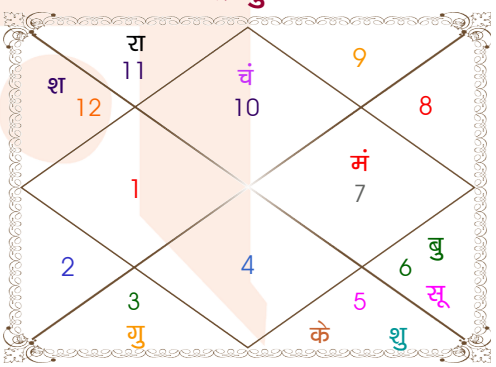

नवमांश कुंडली

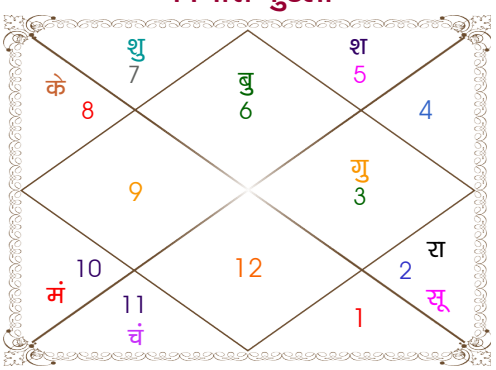

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 10 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/10/2025		28/08/2027		27/08/2037		27/08/2044		27/08/2062	
28/08/2027		27/08/2037		27/08/2044		27/08/2062		27/08/2078	
	00/00/0000	चंद्र	27/06/2028	मंगल	23/01/2038	राहु	10/05/2047	गुरु	15/10/2064
	00/00/0000	मंगल	26/01/2029	राहु	11/02/2039	गुरु	03/10/2049	शनि	28/04/2067
	00/00/0000	राहु	28/07/2030	गुरु	18/01/2040	शनि	09/08/2052	बुध	03/08/2069
	00/00/0000	गुरु	27/11/2031	शनि	26/02/2041	बुध	26/02/2055	केतु	10/07/2070
	00/00/0000	शनि	27/06/2033	बुध	23/02/2042	केतु	16/03/2056	शुक्र	10/03/2073
	02/10/2025	बुध	27/11/2034	केतु	22/07/2042	शुक्र	16/03/2059	सूर्य	27/12/2073
बुध	22/04/2026	केतु	28/06/2035	शुक्र	21/09/2043	सूर्य	08/02/2060	चंद्र	28/04/2075
केतु	27/08/2026	शुक्र	26/02/2037	सूर्य	27/01/2044	चंद्र	09/08/2061	मंगल	03/04/2076
शुक्र	28/08/2027	सूर्य	27/08/2037	चंद्र	27/08/2044	मंगल	27/08/2062	राहु	27/08/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
27/08/2078		27/08/2097		28/08/2114		28/08/2121		28/08/2141	
27/08/2097		28/08/2114		28/08/2121		28/08/2141		00/00/0000	
शनि	30/08/2081	बुध	24/01/2100	केतु	25/01/2115	शुक्र	28/12/2124	सूर्य	16/12/2141
बुध	09/05/2084	केतु	21/01/2101	शुक्र	26/03/2116	सूर्य	28/12/2125	चंद्र	16/06/2142
केतु	18/06/2085	शुक्र	22/11/2103	सूर्य	01/08/2116	चंद्र	29/08/2127	मंगल	22/10/2142
शुक्र	18/08/2088	सूर्य	27/09/2104	चंद्र	02/03/2117	मंगल	28/10/2128	राहु	16/09/2143
सूर्य	31/07/2089	चंद्र	27/02/2106	मंगल	29/07/2117	राहु	29/10/2131	गुरु	04/07/2144
चंद्र	01/03/2091	मंगल	24/02/2107	राहु	16/08/2118	गुरु	29/06/2134	शनि	16/06/2145
मंगल	09/04/2092	राहु	12/09/2109	गुरु	23/07/2119	शनि	28/08/2137	बुध	03/10/2145
राहु	14/02/2095	गुरु	19/12/2111	शनि	31/08/2120	बुध	28/06/2140		00/00/0000
गुरु	27/08/2097	शनि	28/08/2114	बुध	28/08/2121	केतु	28/08/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।